## खबर संक्षेप

### ब्लॉक कॉलोनी महिला मंडल द्वारा आयोजित शिवमहापुराण में सम्मलित हुए विधायक नारायण सिंह पट्टा

**भुआबिछिया।** मंडला नगर की ब्लॉक कॉलोनी महिला मंडल द्वारा आयोजित शिवमहापुराण के समापन दिवस पर बिछिया विधानसभा के विधायक नारायण सिंह पट्टा भी सम्मलित हुए। विधायक के साथ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता जोश सिंह ठाकुर का भी महिला मंडल के द्वारा पुष्पमाला भेट कर स्वागत किया गया। विधायक नारायण सिंह पट्टा एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी के द्वारा व्यासपीठ का पूजन किया गया एवं आदरणीय कथावाचक को साल श्रीफल भेंट किया। इस दौरान विधायक ने ढोल नगाड़ों की धुन पर भगवान श्री गणेश जी के जन्मोत्सव पर ब्लॉक कालोनी महिला मंडल के सदस्यों के साथ भगवान बाल गणेश के स्वागत में जमकर थिरके। ब्लॉक कालोनी महिला मंडल समिति के द्वारा विधायक एवं कांग्रेस जनों का आभार व्यक्त किया।

### कुर्मी समाज विकास संगठन मंडला का त्रैवार्षिक निर्वाचन 12 अप्रैल को

**मण्डला।** जिले के बिंझिया स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल मंगलभवन में कुर्मी समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई,जिसमें जिलेभर से समाज के स्वजातीय भाई-बहन, प्रबुद्धजन एव मातृशक्तियां शामिल हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कुर्मी समाज विकास संगठन जिला मंडला के त्रैवार्षिक चुनाव आगामी 12 अप्रैल 2026 दिन रविवार को संपन्न कराए जाएंगे। निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु अखिलेश चंद्रोल को सर्वसम्मति से निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस दौरान यह भी तय किया गया कि उसी दिन विशेष आमसभा आयोजित कर नई कार्यकारिणी का गठन भी किया जाएगा। संगठन से जुड़े सभी सदस्यों, विभिन्न ग्रामों की क्षेत्रीय इकाइयों के प्रतिनिधियों, समाज के वरिष्ठजनों एवं मातृशक्तियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर चुनाव प्रक्रिया में सहभागिता करने कीअपील की गई है। आमसभा काआयोजन 12 अप्रैल को प्रातः 11:00 बजे से किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कुर्मी समाज विकास संगठन में प्रत्येक तीन वर्ष में।आमसभा के माध्यम से विभिन्न पदों पर निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न की जाती है।

## लोक निर्माण विभाग में चल रहे घोटाले की खुली पोल

# तीन अधिकारी हुए निलंबित, ठेकेदार पर भी उठे सवाल

*** कागजों में बनी 65 करोड़ की सडक, जमीन पर हुआ भ्रष्टाचार।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जनता के टैक्स के पैसों से बनने वाली सडक़ अगर खुद ही भ्रष्टाचार की शिकार हो जाए तो सवाल सिर्फ निर्माण पर नहीं पूरी व्यवस्था पर खड़े होते हैं। मण्डला जिले में मवई-कुड़ेला सडक़ निर्माण परियोजना ने यही कड़वी सच्चाई उजागर कर दी है। करीब 65 करोड़ रुपये की लागत से बन रही इस 35 किलोमीटर लंबी सडक़ ने विकास का रास्ता कम और घोटाले का गड्ढा ज्यादा बना दिया। लंबे समय से चल रही गड़बडिय़ों का आखिरकार विस्फोट हुआ और लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित कर दिया। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ निलंबन से इस पूरे भ्रष्टाचार की भरपाई हो जाएगी या फिर यह भी एक औपचारिक कार्रवाई बनकर रह जाएगी?

### भ्रष्टाचार का फूटा घड़ा, तीन अधिकारी निलंबित

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग के उप सचिव राजेश शाह ने सख्त रुख अपनाते हुए मण्डला में चल रहे मवई-कुड़ेला मार्ग के उन्नयन कार्य में गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की। निलंबित किए गए अधिकारी प्रभारी कार्यपालन यंत्री जी.एस. भलावी, प्रभारी एसडीओ संजय कुमार द्विवेदी, उपयंत्री विकास मरकाम इन तीनों पर आरोप है कि इन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता की खुली अनदेखी, नियमों का उल्लंघन और भारी लापरवाही बरती। जांच में जब आरोप सही पाए गए तो शासन ने बिना देर किए इन्हें सस्पेंड कर दिया।

### 65 करोड़ की सडक़ या भ्रष्टाचार की सुरंग?

मवई-कुड़ेला मार्ग का यह प्रोजेक्ट कागजों में भले ही विकास की बड़ी तस्वीर पेश करता हो लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी कह रही है। सडक़ की कुल लंबाई 35 किलोमीटर है तो प्रशासकीय स्वीकृति 78.08 करोड़ रुपये जारी की गई थी लेकिन स्वीकृत पीएसी राशि 64.20 करोड़ रुपये दिया गया। जिमें कार्य अवधि जनवरी 2025 से जुलाई 2027 की है। लेकिन इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद सडक़ निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठे है। स्थानीय लोगों के मुताबिक जहां सडक़ बननी चाहिए थी वहां घटिया सामग्री, अधूरे काम और तकनीकी मानकों की धज्जियां उड़ती दिखाई दीं।

### ठेकेदार पर भी उठे गंभीर सवाल

इस परियोजना का ठेका अरुण कंस्ट्रक्शन जेवी मैहर सीमेंट को दिया गया था। यही वह ठेका कम्पनी है जो अधिकारियों के साथ मिलकर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया है। वहीं जमीनी हकीकत यह बताती है कि निर्माण में मानक से घटिया मटेरियल का उपयोग हुआ। कई जगहों पर बेस लेयर कमजोर पाई गई। गुणवत्ता जांच के नाम पर कागजी खानापूर्ति की गई। ऐसे में ठेकेदार की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। आखिर बिना ठेकेदार की मिलीभगत के इतना बड़ा खेल संभव कैसे हो सकता है?

### लापरवाही या सुनियोजित घोटाला?

यह मामला सिर्फ लापरवाही का नहीं बल्कि एक सुनियोजित भ्रष्टाचार का मॉडल नजर आता है। पहले बड़े बजट की स्वीकृति फिर निर्माण में नियमों की अनदेखी और अंत में जांच होने पर जिम्मेदारी से बचने की कोशिश की जा रही थी। यह पूरा पैटर्न बताता है कि यह कोई छोटी चूक नहीं, बल्कि एक सिस्टमेटिक घोटाला था जिसमें कई स्तरों पर मिलीभगत की आशंका है।

### जनता के साथ सीधा विश्वासघात

इस सडक़ का निर्माण क्षेत्र के विकास आवागमन की सुविधा और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए किया जा रहा था। लेकिन जब सडक़ ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाए तो इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ता है। जैसे किसानों को परिवहन में दिक्कत, ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी प्रभावित, दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा जैसे असर पड़ते दिखाई देगा। जिस सडक़ से विकास आना था वह अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई।

### ठेकेदार ने हर जगह कर रखी थी सैटिंग

सूत्र बताते है कि उक्त ठेकेदार तीनों अधिकारियो की खासा मेहमान नबाजी करते थे। तभी इतना भ्रष्टाचार का खेल खुलेआम किया जाता रहा है, वही तीन अधिकारियों का निलंबन निश्चित रूप से एक बड़ी कार्रवाई है लेकिन सवाल अब भी जहन में क्या ठेकेदार के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी? क्या नुकसान की भरपाई जिम्मेदारों से करवाई जाएगी? क्या पूरे प्रोजेक्ट की स्वतंत्र एजेंसी से जांच होगी? अगर इन सवालों के जवाब नहीं मिलते, तो यह कार्रवाई सिर्फ दिखावे तक सीमित रह जाएगी।

### सिस्टम में गहरी जड़ें जमा चुका भ्रष्टाचार

मवई-कुड़ेला सडक़ मामला कोई पहला उदाहरण नहीं है। जिले में पहले भी कई निर्माण कार्यों में इसी तरह की अनियमितताएं सामने आ चुकी हैं तो जाहिर सी बात है यह भ्रष्टाचार दर्शाता है कि विभागीय निगरानी कमजोर है, ठेकेदारों और अधिकारियों की सांठगांठ आम बात हो गई है। जवाबदेही तय करने की व्यवस्था ढीली पूरी ढीली हो चुकी है। जब तक इन मूल समस्याओं पर काम नहीं किया जाएगा तब तक ऐसे घोटाले बार-बार सामने आते रहेंगे।

### निलंबन के बाद सागर संभाग मुख्यालय

निलंबित अधिकारियों का मुख्यालय सागर संभाग निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें वहीं रहना होगा और विभागीय जांच का सामना करना पड़ेगा। साथ ही पूरे मामले की विस्तृत जांच अलग से की जाएगी। हालांकि यह देखना अहम होगा कि यह जांच कितनी निष्पक्ष और प्रभावी होती है।

### विभाग में मचा हडक़ंप, लेकिन क्या बदलेगा सिस्टम?

इस कार्रवाई के बाद लोक निर्माण विभाग में हडक़ंप जरूर मचा है। अधिकारी और कर्मचारी अब सतर्क नजर आ रहे हैं लेकिन सवाल वही है क्या यह डर स्थायी रहेगा या कुछ समय बाद फिर वही ढर्रा शुरू हो जाएगा। वहीं स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों की मांग है कि दोषियों पर सिर्फ निलंबन नहीं, कड़ी कानूनी कार्रवाई हो और ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाए साथ ही पूरे प्रोजेक्ट की अन्य जांच एजेंसी से कार्यवाही कराई जाए। ताकि जिससे भविष्य में ऐसे मामलों को रोकने के लिए सख्त मॉनिटरिंग सिस्टम बनाया जाए।

### आधे-अधूरे कदम नहीं, सफाई जरूरी

मवई-कुड़ेला सडक़ निर्माण घोटाला सिर्फ तीन अधिकारियों की गलती नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की विफलता का प्रतीक है। अगर सरकार और विभाग सच में भ्रष्टाचार के खिलाफ गंभीर हैं तो उन्हें पूरी जांच पारदर्शी तरीके से करनी होगी हर जिम्मेदार व्यक्ति पर कार्रवाई करनी होगी और सबसे महत्वपूर्ण जनता का भरोसा फिर से जीतना होगा क्योंकि सडक़ सिर्फ रास्ता नहीं होती वह विकास की पहचान होती है और जब वही सडक़ भ्रष्टाचार से भर जाए, तो यह सिर्फ गड्ढों की नहीं पूरे सिस्टम की कहानी बन जाती है।

## ओवरलोड वाहनों पर नहीं लग रही लगाम, व्यस्त सड़कों पर लोडिंग-अनलोडिंग से बिगड़ रहा यातायात

**मण्डला।** नगर में यातायात व्यवस्था दिनोंदिन बदतर होती जा रही है। एक ओर जहां आधी सड़कों पर दुकानें सजी हुई हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हीं सड़कों पर बड़े मालवाहक वाहनों की लोडिंग-अनलोडिंग धड़ल्ले से की जा रही है। व्यस्त समय में सड़कों पर खड़े ये वाहन आवागमन को बाधित कर रहे हैं, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बन रही है। ऐसा प्रतीत होता है मानो नगरपालिका एवं पुलिस विभाग द्वारा इन गतिविधियों को खुली छूट दे दी गई हो। नगर के प्रमुख चौराहों पर ऑटो रिक्शा चालकों ने अघोषित स्टैंड बना लिए हैं, जहां वे सवारियों को उतारने और बैठाने का काम करते हैं। इससे यातायात बाधित होता है, लेकिन इसके बावजूद संबंधित विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में भी यह अव्यवस्था जारी रहना कई सवाल खड़े करता है। वहीं, ओवरलोड सवारी वाहनों की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। चार पहिया वाहन क्षमता से अधिक सवारियां भरकर शहर में बेखौफ प्रवेश कर रहे हैं। कई बार तो वाहन पूरी तरह सवारियों से घिरे नजर आते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसी स्थिति में यदि कोई हादसा होता है, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। शहर के जागरूक नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और व्यस्त सड़कों पर मालवाहक वाहनों की लोडिंग-अनलोडिंग पर रोक लगाई जाए, ताकि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाया जा सके।

## मवेशी चोरों का आतंक: रातों-रात 3 भैंसें चोरी

**नारायणगंज।** थाना टिकरिया क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चाटी, पंचायत घोंटखेड़ा में मवेशी चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। 1 अप्रैल 2026 की रात अज्ञात चोरों ने एक किसान के घर से 3 भैंसें चोरी कर लीं, जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम चाटी निवासी राजकुमार उइके (पिता हरिलाल उइके) के घर में कुल 11 मवेशी थे। रोज की तरह उन्होंने रात में मवेशियों को पानी पिलाकर खलिहान में बांध दिया था। लेकिन देर रात करीब 11 बजे के बाद चोर मौके का फायदा उठाकर रस्सी खोलकर 3 भैंसें लेकर फरार हो गए। सुबह करीब 4 बजे जब पीड़ित उठा तो मवेशियों के गायब होने की जानकारी लगी। आसपास तलाश करने पर कोई सुराग नहीं मिला, जिससे परिवार और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पहले भी मवेशी चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन अब तक चोरों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लगातार बढ़ती घटनाओं से गांव में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। पीड़ित ने थाना टिकरिया में शिकायत दर्ज कराते हुए जल्द से जल्द एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने और भैंसों की बरामदगी की मांग की है। ग्रामीणों ने प्रशासन से रात में गश्त बढ़ाने और मवेशी चोरों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

## अंधेरगर्दी

### 10वीं कक्षा में पढ़ाने वाले शिक्षकों से जचवाई जा रही 12वीं कक्षा की कॉपियाँ।

# 12वीं कक्षा के मूल्यांकन में लापरवाही

*** हजारों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ हो रहा खिलवाड़।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

किसी भी विद्यार्थी के शिक्षण काल में 12वीं की कक्षा का विशेष महत्व होता है इसी कक्षा के बाद से उस विद्यार्थी के भविष्य की राह तय होती है 12वीं कक्षा में जो अंक मिलते हैं उसी से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिये महाविद्यालय का चयन होता है इन्हीं अंकों के आधार पर चिकित्सा एवं इंजीनियरिंग क्षेत्र में जाने का अवसर प्राप्त होता है और विद्यार्थी भी इसके लिये जी-तोड़ मेहनत करता है इस कक्षा में प्राप्त होने वाले एक-एक अंक का बड़ा महत्व है और अंकों का निर्धारण परीक्षा कॉपी के मूल्यांकन के आधार पर होता है।

मूल्यांकन कार्य बड़ी ही गंभीरता और ईमानदारी के साथ किया जाना चाहिये और निश्चित रूप से शासन-प्रशासन इसकी व्यवस्था भी करते हैं इसके लिये बाकायदा जिला अनुमोदन समिति बनी होती है जिसमें जिला कलेक्टर, जिला पंचायत के सीईओ, सहायक आयुक्त, डाइट प्राचार्य एवं समन्वयक प्राचार्य शामिल होते हैं और मूल्यांकन में किन शिक्षकों को शामिल किया जाना है इसकी सूची समिति द्वारा तैयार की जाती है।

सूत्रों की माने और शिक्षकों द्वारा जो बताया जा रहा है उसके अनुसार 10वीं कक्षा पढ़ाने वाले शिक्षकों से 12वीं कक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन कराया जा रहा है बहुत से शिक्षकों ने इसके लिये मना भी किया लेकिन दबाववश कहा गया कि आप किसी तरह मूल्यांकन कार्य में सहयोग कीजिये। कुछ शिक्षकों ने यह भी बताया कि चूंकि मूल्यांकन के समय एक शिक्षक अकेला परेशान होता है और कॉपी में बहुत से पन्ने होते हैं जो खाली होते हैं तो उन पन्नों पर लाल स्याही से क्रॉस लगाना होता है इसके लिये हम शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य में लगाया गया है इस तरह की बात हाल ही में प्राथमिक शाला से उच्च शिक्षा प्रभार में पदौन्नत हुये शिक्षक सुरेश चौरसिया द्वारा कही गई इनका कहना था कि हमें मूल्यांकन कार्य में सहयोग के लिये रखा गया है हम खाली पन्नों पर क्रॉस का निशान बनाते हैं जबकि दूसरे शिक्षकों को जिन्हें इस तरह के कार्यों में और कॉपी के मूल्यांकन में लगाया गया है उन्होंने एक स्वर से इन आदेशों का विरोध किया चूंकि मूल्यांकन कार्य बहुत ही गोपनीय होता है और ऐसे में यदि अंकों में कहीं भी कुछ फेर बदल हुआ तो उसके लिये संबंधित शिक्षक ही जबावदेह होगा और जब दो-तीन शिक्षक मिलकर एक कॉपी का मूल्यांकन करेंगे तो फिर यदि कहीं कुछ उलट फेर हुआ तो उसकी जिम्मेदारी किस शिक्षक के हिस्से आयेगी।

मूल्यांकन कार्य के प्रभारी प्राचार्य से जब हमारी बात हुई तो उनका कहना था कि मूल्यांकन कार्य में लगे शिक्षकों की सूची जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश पर जारी की गई है इसमें हमारा कुछ भी नहीं है और जिन शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य में लगाया गया है ये सभी स्नातकोत्तर श्रेणी के हैं लेकिन प्रश्न यह भी है कि बहुत से उच्च शिक्षा प्राप्त व्यक्ति छोटे पदों पर काबिज रहते हैं तो क्या उनसे बड़े पदों के काम लिये जा सकते हैं उदाहरण के तौर पर कहीं-कहीं पीएचडी किया व्यक्ति दुर्भाग्यवश चपरासी बनकर रह जाता है तो क्या उससे प्राचार्य का काम लिया जा सकता है और उच्च शिक्षा प्राप्त है लेकिन कॉपी के मूल्यांकन में उस कक्षा में तीन वर्ष अध्यापन कार्य कराना आवश्यक है ऐसा नियम कहते हैं फिर इन नियमों की अनदेखी कर यदि 10वीं कक्षा में अध्यापन कराने वाला 12वीं कक्षा का मूल्यांकन कर रहा है तो इसे विडम्बना ही कहा जायेगा।

जिला शिक्षा अधिकारी से जब हमने बात की तो उन्होंने कहा 10वीं एवं 12वीं के मूल्यांकन के लिये अलग-अलग सूची जारी की गई है ऐसा कैसे हो रहा है मैं इसका पता कराती हूँ।

यह पूरी खबर कुछ शिक्षकों के द्वारा आपत्ति दर्ज कराने एवं जिन शिक्षकों के नाम मूल्यांकन कार्य की सूची में शामिल हैं और वे हाईस्कूल में अध्यापन करा रहे हैं उस आधार पर है हमने जिन-जिन अधिकारियों से बात की उन सबकी बातों में विरोधाभाष प्रथम दृष्टया नजर आया स्पष्ट रूप से कोई भी यह बताने को तैयार नहीं हुआ कि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है किसी भी स्थिति में 10वीं का कोई भी शिक्षक 12वीं कक्षा के मूल्यांकन में कहीं से भी शामिल नहीं है अब जब सहयोग करने की बात की जा रही है तो फिर उसे क्या माना जाये और क्या यह गोपनीयता की श्रेणी में आता है अथवा नहीं।

## करोड़ों की जन उपयोगी 150 एकड़ शासकीय भूमि पर कब्जा

*** गुपचुप चर्चा तो जमकर हो रही, पर सामने कोई नहीं आ रहा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

पृथक जिले की मांग करने वाला नैनपुर नगर विकास के लिए सजक माना जाता है यहां के लोग एकता के सूत्र में बंद कर विभिन्न मांग व आंदोलन समय-समय पर करते रहते हैं लेकिन अतिक्रमण के मामले में मौन क्यों है यहां कब्जाधारी नियम कानून पर पड़ रहे हैं भारी, मिली जानकारी के अनुसार यहां वार्ड नंबर 7 के इटका उमरिया हाल एवं लगे हुए ग्राम गौझी पाइली में 7-8 लोगों के द्वारा लगभग 150 एकड़ शासकीय भूमि में अवैध कब्जा कर कृषि कार्य किया जा रहा है। उक्त भूमि नगर विकास के लिए बेहद उपयोगी है। अतिक्रमण की वजह से यहां प्रस्तावित सौर ऊर्जा संयंत्र, उपजेल, खेल मैदान एवं आवास हीनों की आवास योजना जैसे अनेक कार्य नहीं हो पा रहे हैं विदित है की भूमि न मिलने की वजह से यहां का केंद्रीय विद्यालय, अस्पताल, बस स्टैंड आदि निर्माण कार्य नगर से दूर करायें जा रहे हैं जबकि उक्त कब्जा क्षेत्र में सुलभ आवागमन के लिए बायपास मार्ग बना है। फिर इस और ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा। राजस्व विभाग द्वारा कब्जा करने वालों को नोटिस तो दे दी गई है लेकिन करोड़ों की जन उपयोगी उक्त जमीन पर कब विकास होगा। सूत्रों की माने तो पक्ष विपक्ष दोनों के लोगों ने मिलकर कब्जा किया है इसलिए राजनीतिक संरक्षण के चलते मामले का निपटारा नहीं हो पा रहा है स्थानीय स्तर पर इस विषय की गुपचुप चर्चा तो जमकर हो रही है पर खुलकर कोई सामने नहीं आना चाहता क्योंकि नगर पालिका अध्यक्ष बनने में वोट बैंक खराब न हो जाए बहुत सारे उम्मीदवार अभी से नजर आ रहे हैं। समाचार प्रकाशित करने के बाद संबंधित विभाग एवं सरकार के जिम्मेदार लोग इस विषय को कितना गंभीरता से लेते हैं ये तो आने वाला समय ही तय करेगा, या यूं ही गोल-गोल जांच वह नोटिस भेजकर जवाब मांगने का सिलसिला चलता रहेगा।

## खबर संक्षेप

### तेज तपन के बीच अन्नदाता अपनी खून पसीने की कमाई को संभालने में जुटा हुआ

**हरिभूमि न्यूज/ कल्याणपुर।** अक्सर देखा जात है कि जब गांव को किसान किसी बडे नेता के चैम्बर या फिर बड़े शोरूमों पर पहुंचता है तो उसकी भेषबूषा को देखते हुये बाहर खड़े रहने वाले बंदूक धारी इन किसानों को बाहर रोकने से नही चूकते है। मगर इस सच्चाई को लोगों द्वारा भुला दिया जाता है कि आखिरकार वह लोग सुबह शाम आराम के साथ अपना व अपने बच्चों को पेट जिस अन्न के माध्यम से भर रहे है उसको तैयार इसी माटी पुत्र द्वारा किया गया है। यदि अन्नदाता किसान एक साल अपने खेतों में अनाज तैयार करना रोक देवे तो देश में भुखमरी फैलने से नही चूकती है। क्योंकि जहां देश की रक्षा के लिये देश का पहरेदार जवान तेज धूप हो या फिर बारिश सहित ठंड का दौर कभी वह अपने दायित्वों से पीछे नही हटता है। इसी प्रकार से देशवासियों का पेट भरने वाले किसान की सच्चाई भी इसी प्रकार से देखने मिल रही है। इस समय लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच जहां धनवान लोगों से लेकर नेता दोपहर 12 बजते हुये अपने बंगलों में लगे हुये एयर कण्डीशन की हवा में आराम करने के लिये घुंस जाते है। मगर इस दौरान माटीपुत्र किसान अपने अनाज को तैयार करने में जुटा हुआ देखा जाता है। इस बात की सच्चाई इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करते हुये किसानों के खेतों में आसानी से देखी जा सकती है जहां पर किसान अपने खेतों की तैयार हो चुकी फसल को किस तरह संभालने में जुटा हुआ है।

### इससे बढ़कर और कहा हो सकती है माँ की ममता

**हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।** कहा जाता है कि जब अपना बच्चा भोजन कर रहा हो और दूसरा किसी का बच्चा भूखा रहते हुए उसके मुंह की ओर ताके तो कोई भी माँ का दिल पसीजने से नही रह सकता है? यह सच्चाई भले ही मानव में देखने ने मिले मगर मूक पशुओं में जरूरी देखी जा सकती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर के रेल्वे स्टेशन क्षेत्र में उस समय देखने मिली जब एक गाय अपने बच्चें को दूध पिला रही थी इसी दौरान गाय के बच्चें के ही हम उम्र बच्चें अपने साथी को दूध पीते हुए देखकर अपनी माँ को याद करने लगे, और शायद इस नजारा गाय माता से देखा नही गया होगा जिसके चलते उसने अपने बच्चें के साथ अन्य दो बच्चों को भी दूध पिलाना शुरू कर दिया गया, जिसके चलते जब लोगों ने एक गाय का एक साथ तीन बछड़ो को दूध पीते हुए देखा गया तो वह इस माँ की ममता को नमन करने से नही चूके। वही इस प्रकार जहां गाय माता ने माँ की ममता का उदाहरण देते हुए मानव जाति को हैरत में डाल दिया गया, वही दूसरी ओर इस बात का संदेश भी दे दिया गया कि माँ से बढ़कर दूसरा प्रेम इस दुनिया में कही नही मिल सकता है?

### तेज तपन में परेशान हो रहे बस यात्री

**सांईखेड़ा।** इस समय चल रही सूरज की तेज तपन के चलते जहां बस यात्रियों को परेशानी का सामना इसलिये करते हुये देखा जा रहा है क्योंकि भले ही सांईखेड़ा को तहसील का दर्जा मिलने के साथ साथ यहां पर नगर पंचायत, महाविद्यालय के आलवा अन्य सुविधाये मिल चुकी है मगर बस यात्रियों के लिये कोई ठोर ठिकाना नही मिल पाया है? इस तरह दादाधूनी वालों के नगर में बस स्टेन्ड के आभाव के चलते जहं बसयात्रियों को तपती हुई धूव तो बारिश के सीजन में भीगते हुये अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वही गर्मी के दिनों में तेज धूप के चलते खुले मैदान में खड़े होकर बसों का इंतजार करते हुए देखा जाता है, इस नगर में देखा जाता है कि बाहर से आने वाले यात्री पानी और छाँव की तलाश में इतने बडे नगर में किसी भी प्रकार से बस स्टेन्ड नही होने के कारण बस यात्रियों को सदा ही परेशान होते हुए आसानी से देखे जा सकते है? क्योंकि साईंखेड़ा में स्थाई बस स्टैण्ड एवं यात्री प्रतीक्षालय की सुविधा न होने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

# दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित करते हुये बनाये गये गति अवरोधक नहीं चल पाये पूरे एक सप्ताह, क्या आदेश पर मात्र औपचारिकता निभाने किया कार्य...?

**हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।**

निश्चित ही इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिला कलेक्टर जिले का प्रमुख अधिकारी होने के साथ साथ जिले का मुखिया कहा जाता है। वही दूसरी ओर जिले के अधीन रहने वाले सभी विभाग कलेक्टर के आदेश का पालन करना जरूरी समझा जाता है। मगर हमारे जिले में जिस तरह जिला कलेक्टर के आदेशो की संबंधित विभागों द्वारा धज्जियाँ उड़ते हुये देखी जाती है वह चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाती है..? इस सच्चाई को लेकर आमजन में यह चर्चा सुनाई देने से नही चूक पाती है कि या तो जिला कलेक्टर द्वारा आमजन के बीच वाही वाही लूटने के लिये आदेश दिये जाते है..? या फिर जिला कलेक्टर का आदेश उनके अधिनस्थ रहने वाले विभाग के अधिकारियों को कोई महत्व नही रखता है..? इसी का परिणाम है कि जिला कलेक्टर जारी किये जाने वाले आदेश मात्र अखबारों की सुर्खिया बनकर रहते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहे है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये दिसम्बर जनवरी माह में जिला कलेक्टर द्वारा खुद ही क्षेत्र का भ्रमण करते हुये नियम विरूद्व दौड़ रही एक ट्रेक्टर में डबल ट्राली लगाते हुये चलने वाले ट्रेक्टरों के खिलाफ अपनी आंखों के सामने कार्यवाही कराई गई थी। वही क्षेत्र के समस्त जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर यातायात व परिवहन विभाग को कार्यवाही के आदेश दिये गये थें। मगर यह आदेश मात्र अखबारों तक सीमित होकर रहते हुये देखा गया और डबल ट्रालियों के चलते क्षेत्र में अनेक घटनाये घटित होने के चलते आधा दर्जन से अधिक लोग बेमौत मरते हुये देखे गये। कुछ इसी प्रकार से तेज ध्वनि वाले डीजे हो या फिर खेतो में पारली जलाने के आदेश की सच्चाई देखी जावे तो यह आदेश मात्र औपचारिकता पूर्ण साबित होने से नही चूक पाया है और आज में खुलेआम जहां खेतों में पराली जलते हुये देखने मिल रही है तो दूसरी ओ जहां तहां होने वाले कार्यक्रमों से लेकर शादी समारोहो देर रात तक डीजे बचाने के बाद लोगों को निकलने वाले बारातों के बीच डांस करते हुये सड़को पर जाम लगाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। इसी प्रकार से बीते हुये माह जिला कलेक्टर सहित पुलिस अधीक्षक द्वारा क्षेत्र का भ्रमण करते हुये उन दुर्घटना संभावित स्थानयों को चिन्हित करते हुये यहां पर गति अवरोधक लगावाने की बात कही गई थी। इस तरह चिन्हित किये गये स्थानों पर जिला कलेक्टर के आदेश के बाद गति अवरोधक लगाये तो गये है। मगर उनकी सच्चाई इस तरह देखने मिल रही है कि मानों जिला अधिकारी के आदेश पर संबंधित विभाग द्वारा मात्र अपनी औपचारिकता पूर्ण की जा रही हो..? क्षेत्र में अलग अलग स्थानों की मुख्य सड़को पर लगाये गये इन गति अवरोधको की स्थिति इस तरह देखने मिल रही है कि वह पूरे एक सप्ताह भी आमजन की जिन्दगी को सुरक्षित करने में सफल नही हो पाया और चंद दिनों में ही टूटते हुये दिखाई देने लगे है..? इस सच्चाई को लेकर आमजन के बीच फिर एक चर्चा सुनने मिलना आम बात हो गई है कि क्या जिला कलेक्टर का आदेश अन्य अधिनस्थ विभागो में लागू नही होता है या फिर वहा पर पदस्थ अधिकारी जिला अधिकारी के आदेश को महत्व नही देते है..? खैर सच्चाई जो भी हो मगर जिस तरह जिला कलेक्टर द्वारा जारी किये जाने वाले आदेशों को अधिनस्थ रहने वाले संबंधित विभागो द्वारा नजर अंदाज किया जाता है या फिर आदेश के पालन में मात्र औपचारिकता निभाई जाती है वह चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा है..?

## आंगनबाडी केन्द्र के लिये 11 लाख से अधिक की राशि स्वीकृत होने पर पार्षद से जताया आभार

**हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।** निश्चित जब क्षेत्र का जिम्मेदार नेता निष्ठावान होता है तो अपने क्षेत्र के विकास में कोई कसर नही छोड़ता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के कैविनेट मंत्री राव उदय प्रताप में देखने मिल रही है जो अपने कार्यकर्ताओ की मांगों को पूर्ण करने में पीछे नही रहते है। बीते हुये दिवस नगर के आजाद वार्ड पार्षद राजकुमारी सतीश कौरव द्वारा शिक्षा मंत्री के समझ छोटे बच्चों को शिक्षा सें बंचित रहने की बात कही गई थी जिसको शिक्षा मंत्री द्वारा गंभीरता से लेते हुये वार्ड पार्षद राजकुमारी सतीश कौरव की मांग पर आजाद वार्ड में नवीन आंगनवाडी भवन निर्माण के लिये महिला बाल विकास के माध्यम से 11 लाख 22 हजार रूपया की सौगात प्रदान की गई है। इस राशि से नया आंगनवाडी केन्द्र बनने से वार्ड के बच्चों को लाभ मिलेगा। वही मंत्री द्वारा प्रदान की गई इस सौगात पर वार्ड पार्षद राजकुमारी सतीश कौरव द्वारा मंत्री राव उदय प्रताप के कार्यलय पहुंचकर वार्ड के विकास व बच्चों के भविष्य को उज्जबल बनाने की सोच के लिये प्रदेश के शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा द्वारा महिला बाल विकास विभाग के प्रति अपना आभार जताया गया है।

# भक्ति के रंग में रंगी दादा धूनी नगरी साईखेड़ा, जय श्री राम के उद्घोष के साथ निकला निशान यात्रा का कारवां

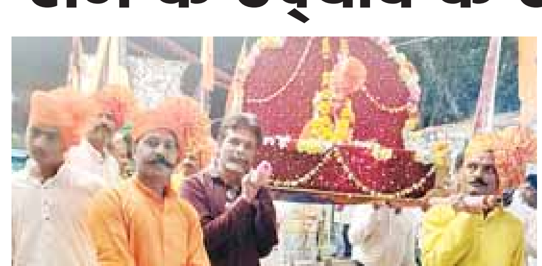

**हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा ।**

अपने भक्तों को सदा ही संकटों से मुक्ति दिलाने वाले संकट मोचन, पवन पुत्र भगवान हनुमान का जन्मोत्सव बीते हुये दिनों दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में पूरी श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण अंचलों तक का माहौल पूरी तरह धर्ममय नजर आया। हनुमान मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं, जहां विशेष चोला अर्पण, अभिषेक और महाआरती का आयोजन किया गया। इस मौके पर दादा धूनी नगरी में निशान यात्रा में दिखा उत्साह का सैलाब, उत्सव के विशेष अवसर पर नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में भव्य निशान यात्राएं निकाली गईं। गाजे-बाजे और ढोल-धमाकों के साथ निकली इन यात्राओं में हजारों श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज (निशान) लेकर शामिल हुए। श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था; युवा, बुजुर्ग और महिलाएं सभी 'जय श्री राम' और 'जय हनुमान' के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। मुख्य मार्गों से गुजरते समय इन यात्राओं का स्थानीय नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस वर्ष संकट मोचक हनुमानजी के जन्मोत्सव के चल समारोह में एक से बढ़कर एक विशाल और सजीव झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। कहीं पवनपुत्र हनुमान पर्वत उठाए हुए नजर आए, तो कहीं भगवान राम के चरणों में वंदना करते हुए। बिजली की चकाचौंध और आधुनिक साज-सज्जा से सजी इन झांकियों को देखने के लिए सड़कों के दोनों ओर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। मंदिरों में देखने दिन भर धार्मिक अनुष्ठानों की धूम रहने से अनोखा महौल दिखाई पड़ा। बताया जाता है कि मंदिरों में भक्त सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही धार्मिक अनुष्ठानों का दौर प्रारंभ हो गया था। हनुमान चालीसा, सुंदर कांड और रामायण पाठ के स्वर दिन भर गूंजते रहे। कई स्थानों पर अखंड कीर्तन का आयोजन भी किया गया। शाम होते ही मंदिरों को आकर्षक विद्युत सज्जा और फूलों से सजाया गया, जिससे उनकी आभा देखते ही बन रही थी। वही दूसरी ओर जगह-जगह हुआ भंडारे का आयोजन चलते हुये देखे गये। श्रद्धा और सेवा की त्रिवेणी के बीच नगर में जगह-जगह विशाल भंडारों और प्रसादी वितरण के कार्यक्रम आयोजित किए गए। सामाजिक संगठनों और मंदिर समितियों द्वारा श्रद्धालुओं को फल, शरबत और महा प्रसाद वितरित किया गया। भीषण गर्मी के बावजूद भक्तों की आस्था कम नहीं हुई और देर रात तक दर्शन-पूजन का क्रम चलता रहा।

# विधायक पटैल ने भौरझिर स्कूल के प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में हुये शामिल

**हरिभूमि न्यूज/खुलरी।**

मध्य प्रदेश शिक्षा विभाग के आदेश पर नये शिक्षा सत्र की शुरूआत बीते हुये 1 अप्रेल से होने के कारण जहां स्कूलों में रौनक देखने मिल रही है तो दूसरी ओर मौसम में ठंडक रहने कारण स्कूलों में छात्र छात्राओं की मौजूदगी भी संतोष जनक सच्चाई उजागर करते हुये प्रतीत होने से नही चूक रही है। वही आये दिन स्कूलों द्वारा मनाये जा रहे प्रवेशोत्सव कार्यक्रमों में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को शामिल होकर सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं से छात्र छात्राओं सहित अभिभावकों को अवगत कराया जा रहा है। इसी प्रकार से बीते हुये दिवस गाडरवारा तहसली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तेदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भौरझिर में स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कक्षा पहली एवं 9 वीं कक्षा में प्रवेश लेने वाले बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। वही दूसरी ओर शासन की योजना के तहत विद्यार्थियों को निःशुल्क किताबों का वितरण कर उन्हें उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर विधायक पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के किये विभिन्न सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। इसके अंतर्गत मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप सहायता दी जा रही है। स्कूटी योजना एवं साइकिल वितरण योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मिडिल एवं हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अतिरिक्त ड्रॉप आउट विद्यार्थियों की पहचान एवं उनके पुनः नामांकन के लिये ट्रैकिंग सिस्टम भी संचालित किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। विधायक पटेल ने कहा कि राज्य शासन ने इस वर्ष हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्तर पर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है। यह कार्यक्रम प्रदेश में शिक्षा के प्रसार, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की उपलब्धता एवं विद्यार्थियों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। पटैल ने कहा कि शिक्षकों के प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ताकि वे आधुनिक तकनीकों के साथ बच्चों को बेहतर शिक्षा दे सकें। साथ ही नई शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षा प्रणाली को और अधिक व्यावहारिक एवं कौशल आधारित बनाया जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार का यह संकल्प है कि प्रदेश का हर बच्चा शिक्षित हो, सक्षम बने और देश के विकास में अपना योगदान दे। क्योंकि आज के युग में शिक्षित होना बहुत जरूरी है। पहले कहा जाता था कि यदि हमारों मोडा पढ़ नही पायेगा तो खेती कौनने छुडाई है। मगर अब खेती के लिये भी पढ़ाई जरूरी हो चुकी है। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य धनंजय पटैल, पूर्व मंडल अध्यक्ष चौधरी विजय सिंह, भाजपा नेता जालम सिंह कौरव घघरौला, रिशी पचौरी, राम कुमार चौधरी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद थें।

## डम्फर की टक्कर से पति पत्नी सहित मासूम घायल

**हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।** नगर के वायपास मार्ग पर लगातार अतिक्रमण होने के चलते स्थिति इस तरह बन रही है कि वाहन चालकों को सामने से आने वाला वाहन दिखाई नही देने का परिणाम है कि आये दिन घटनाये घटित होना आम बात होती चली जा रही है। इस प्रकार की सच्चाई नगर के रेल्वे स्टेशन से सोयाबीन प्लांट की ओर वायपास मार्ग पर देखने मिल रही है। लोगों द्वारा सड़क किनारे स्थापित किये गये अपने ठेले टपरों सहित अन्य प्रकार के कारोबार के चलते जहां आये दिन सड़क दुर्घटनाये घटित होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस उस समय देखने मिली जब एक डम्फर व बाइक की टक्कर के चलते बाइक सबार पति पत्नी सहित मासूम बच्चें को चोटे आने के कारण घायल हो गये। घटना को लेकर ग्राम बगईल निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस वह अपनी पत्नी नीतू तथा दो साल के बच्चे नितिन के साथ मोटर साईकिल से जमाडा रोड से होते हुये अपने गांव बगलई जा रहा था। इसी दौरान जमाडा रोड वायपास पेट्रोल पंप कबाडी दुकान के पास पहुंचा तो सामने से तेज गति व लापरवाही पूर्वक दौड़ते हुये आ रहे एक पीले रंग के डम्फर क्रमांक MP66H1770 के चालक द्वारा बाइक को सामने से टक्कर मार दी गई। टक्कर के चलते प्रार्थी सहित उसकी पत्नी व मासूम बच्चा दोनों मोटर साईकिल सहित गिरने के कारण घायल हो गये। वही घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा घायलों को इलाज हेतु शासकीय चिकित्सालय ले जाया गया। वही आरोपी डम्फर चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

# नगर में भारी वाहनों पर निर्धारित समय के लिये लागू की जावे नो एन्ट्री

**हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।**

जहां एक ओर सांईखेड़ा क्षेत्र में लगातार विकास की बात तो आये दिन होते हुए सुनी जा रही है, मगर नगर की प्रमुख समस्या को लेकर आज तक निजात दिलाने की ओर किसी भी प्रकार की पहल नही होना जहां क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास के कार्यो पर प्रश्न चिन्ह लगते हुए देखा जा रहा है? वही दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी भी इस समस्या के चलते खतरे से खाली दिखाई नही दे रही है। क्योंकि इस समस्या के बीच गरीब लोगों को मौत के मुख्य में बैठकर अपनी रोजी रोटी कमाने के लिए मजबूर देखा जा रहा है? बताया जाता है कि नगर के बीचों बीच से निकला हुआ प्रदेश की राजधानी से जुड़ने वाले स्टैट स्तर के मार्ग पर जिस प्रकार से दिन भर भारी वाहनों की धमाचौकड़ी लगी रहती है, वही दूसरी ओर इस मार्ग के किनारे ही लगने वाले साप्ताहित बाजार में दुकानदारी करने वालों के लिए भी खतरे की घंटी बजाते हुए यह वाहन तेज गति से दौड़ रहे है? इतना ही नही इसी मार्ग से जहां नगर के स्कूली बच्चों का आना जाना रहता है। वही दूसरी ओर अन्य शासकीय कार्यालयों में पहुचने वाले लोगों का भी दिन पर इस मार्ग पर आनाजाना होने क कारण जब इस मार्ग से भारी भरकम वाहनों का निकलना होता है तो आये दिन जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। वही दूसरी ओर बाजार के दिन तो यह हाल होता है कि लोगों का निकलना ही मुश्किल हो जाता है। इस सच्चाई को देखते हुए बीते लम्बे समय से लोगों द्वारा सांईखेड़ा में वायपास मार्ग की मांग की जा रही है, मगर इस ओर किसी भी जिम्मेदार द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण जहां आम लोगों के लिए खतरा पैदा हो रहा है, वही दूसरी ओर किसी दिन कोई बड़ी घटना की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है? इस प्रकार से नगर के मुख्य मार्ग से निकलने वाले भारी भरकम वाहनों की आवाजाही को लेकर नगर के लोगों द्वारा सुबह 9 बजे से 11 बजे तक तथा शाम 3 बजे से 5 बजे तक तथा बाजार के दिन दोपहर 3 बजे से शाम 8 बजे तक नो एन्ट्री लगाये जाने की मांग की जा रही है, लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा इस प्रकार की व्यवस्थाओं के चलते उदासीनता बरती गई तो निश्चित ही किसी दिन सांईखेड़ा बाजार में कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना को नजर अंदाज करना मुश्किल साबित हो सकता है..?

## अज्ञात चोरों ने दुकान की शटर का ताला तोड़कर नगदी सहित पार की गई सामग्री

**सहोरा/बोहानी।** गांव गांव बिक रही अवैध शराब सहित अन्य मादक पदार्थो के चलते युवा इसकी चपेट में आने के चलते जहां नशे की लत का शिकार हो रहे है। वही दूसरी ओर अपनी लत पूरी करने के लिये अनेक प्रकार की घटनाओं को अंजाम देने से नही चूक रहे है। इसी का परिणाम है कि क्षेत्र में चोरी जैसी घटनाये भी आम बात होती चली जा रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिनों समीपस्थ ग्राम गरहा में देखने मिली है जहां पर अज्ञात चोरों द्वारा एक दुकान की शटर के ताले तोड़ते हुये उसके अंदर रखे हुये नगदी रूपया सहित अन्य सामग्री पार कर डाली। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम गरहा निवासी हरिओम पिता द्वेवेन्द्र परासर उम्र 30 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरी पेस्टी साईडस की दुकान गांव के स्वागत गेट के पास है। बीते हुये दिवस शाम को अपनी दुकान बंद करके घर चला गया था अगले जब मैं अपनी दुकान पर आया तो देखा कि मेरी दुकान की शटर के दोनों ताले टूटे हुए थें और मैने शटर खोलकर अंदर जाकर देखा तो दुकान के कांउटर के बगल में रखी बटरी करीबन डेढ कट्टी खुली पढी थी। वही काउंटर का लाकर देखा तो वह खुला हुआ था जिसमें करीबन 3 हजार रुपये रखे थे जो लाकर खाली था। वही अपनी दुकान में रखी पेस्टीसाईट की बोतलें देखी जो करीबन 35 बाटलें कीमत करीबन 35,000/रु. की गायब थी तथा दुकाने के पीछे रखी बटरी की 15 कट्टियां करीबन 5 क्विंटल बटरी कीमत करीबन 25000/रु की कुल कीमत 63,000/रु के लगभग किसी अज्ञात चोर द्वारा दुकान की शटर का ताला तोडकर चोरी कर ली गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

## खबर संक्षेप

### जोहिला नदी के तट व घाट की साफ सफाई कर दिया गया जल संरक्षण का संदेश

**हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।** मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के कुशल निर्देशन में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड पुष्पराजगढ़ के सेक्टर 3 पोड़की अंतर्गत ग्राम लालपुर भुंडाकोना के जोहिला नदी तट व घाट की साफ सफाई की गई। तथा उपस्थित जनो को जल संरक्षण वर्षा जल संचय एवं जल के सदुपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही अपील की गई कि सभी जल की एक-एक बूंद बचाने का संकल्प लें और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संरक्षित रखें। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि गण, श्री नर्मदे हर सेवा न्यास अमरकंटक नवांकुर संस्था, प्रस्फुटन समिति सीएमसीएलडीपी छात्र एवं आमजन उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सामूहिक रूप से जल संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। स्वच्छता कार्यक्रम में सम्मिलित प्रमुख रूप से जनपद सदस्य रामराज सिंह, सरपंच गजानंद सिंह, परामर्शदाता रमेश तिवारी, रूबेला बाई, नीलम बाकले, कन्ना नायक, नरोत्तम टांडिया, कमलेश सिंह, विजेंद्र सिंह, रामलोचन सिंह, राम प्रसाद सिंह, कमला सिंह, भानु प्रसाद प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे।

### अनूपपुर जिले में गेहूँ उपार्जन 15 अप्रैल से प्रारंभ, 6 केंद्र निर्धारित

**अनूपपुर।** रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में गेहूँ उपार्जन का कार्य 15 अप्रैल से प्रारंभ किया जाएगा। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूँ क्रय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिले में 6 उपार्जन केंद्र निर्धारित किए गए हैं। दुलहरा समिति के लिए मां शारदा वेयरहाउस, 2 बरबसपुर, पटनाकला समिति के लिए कृषि उपज मंडी अनूपपुर, मझगवां (फुनगा) समिति के लिए शारदा फूड प्रोसेसिंग गोदाम पयारी, धनगवां समिति के लिए सिंह वेयरहाउस छातापटपर, बिजुरी समिति के लिए बतूल वेयरहाउस कोतमा तथा राजेंद्रग्राम समिति के लिए गोदाम राजेंद्रग्राम को उपार्जन केंद्र के रूप में निर्धारित किया गया है। संबंधित केंद्र प्रबंधकों को किसानों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

### सिर पर मंदिर रखकर नर्मदा परिक्रमा कर रहे महाराष्ट्र के प्रीतपाल

**हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।** मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल अमरकंटक में एक अनोखी और प्रेरणादायक नर्मदा परिक्रमा यात्रा देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र के पुणे निवासी प्रीतपाल (उम्र लगभग 40 वर्ष) मां नर्मदा की भक्ति में लीन होकर अपने सिर पर काष्ठ से निर्मित मंदिर रखकर पैदल परिक्रमा कर रहे हैं। इस विशेष मंदिर में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश के साथ मां नर्मदा की प्रतिमा विराजित है। प्रीतपाल अपने दैनिक उपयोग की सामग्री पीठ पर बैग में रखकर कठिन तपस्या और हठयोग के साथ यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने अपनी परिक्रमा यात्रा ओंकारेश्वर धाम से प्रारंभ की थी और लगभग चार महीने की कठिन पदयात्रा के बाद अब अमरकंटक पहुंच चुके हैं। अमरकंटक में माई की बगिया पहुंचकर उन्होंने विधिवत पूजन-अर्चन, आरती एवं तट-जल परिवर्तन की प्रक्रिया पूर्ण की और मां नर्मदा के दक्षिण तट से अपनी आगे की यात्रा पुनः प्रारंभ कर दी है। नर्मदा परिक्रमा यात्री महाराष्ट्र के प्रीतपाल एक हाथ में दंड और कमंडल धारण किए, हंसते-मुस्कुराते हुए भजन-कीर्तन करते निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उनकी यह तपस्या, उत्साह और अटूट श्रद्धा मार्ग में मिलने वाले लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है। प्रीतपाल प्रतिदिन लगभग 25 से 30 किलोमीटर पैदल यात्रा करते हैं।

# करोड़ों की लागत से बने सांदीपनि विद्यालय में दरारें, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

**शहपुरा।** जिले के शहपुरा विकासखंड के ग्राम चरगांव में करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। हाल ही में क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश धुर्वे के निरीक्षण के दौरान भवन की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लग गया। निरीक्षण में दीवारों और छत पर कई जगह दरारें पाई गईं, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता संदिग्ध नजर आ रही है।

### निरीक्षण के दौरान जताई नाराजगी

विधायक धुर्वे ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों व निर्माण एजेंसी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान ही उन्होंने कई बार गुणवत्ता को लेकर शिकायत की थी, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। ग्रामीणों के अनुसार, यदि समय रहते शिकायतों पर ध्यान दिया जाता तो आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती।ग्रामीणों ने यह भी बताया कि विद्यालय तक पहुंचने के लिए मुख्य मार्ग से पक्की सड़क का निर्माण नहीं किया गया है। इसके कारण भवन तैयार होने के बावजूद अब तक विद्यालय का लोकार्पण नहीं हो सका है, जिससे विद्यार्थियों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।मामले को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उन्होंने शासन-प्रशासन से उच्च स्तरीय जांच कराने तथा निर्माण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही विद्यालय भवन की गुणवत्ता सुधारने की भी मांग उठाई जा रही है।

# जल जीवन मिशन में बड़ा खेल नई टंकी में ही रिसाव

**शहपुरा।** डिंडोरी जिले में जल जीवन मिशन योजना के तहत बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है जहां लाखों रुपये की लागत से बनी नई पानी की टंकी कुछ ही महीनों में रिसने लगी है इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।डिंडोरी जिले के अमरपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम परसेल में बनाई गई पानी की टंकी अब खुद सवालों के घेरे में है ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा किया गया निर्माण पूरी तरह घटिया है जिसके कारण टंकी में जगह जगह से सीपेज हो रहा है और पानी लगातार बह रहा है। ग्रामीणों के अनुसार टंकी के निर्माण के तुरंत बाद ही उसमें रिसाव शुरू हो गया था आरोप यह भी है कि मामले को दबाने के लिए टंकी के आसपास मुरूम डालकर लीकेज छिपाने की कोशिश की गई लेकिन अब ग्रामीणों ने इस पूरे मामले को उजागर कर दिया है।यह वही योजना है जिसके तहत हर घर तक शुद्ध पानी पहुंचाने का दावा किया गया था लेकिन यहां योजना की शुरुआत में ही लापरवाही सामने आ गई है अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब निर्माण कार्य सहायक यंत्री और उपयंत्री की देखरेख में हुआ तो गुणवत्ता के साथ इतना बड़ा समझौता कैसे हुआ क्या ठेकेदार और अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया ग्रामीणों में इस मामले को लेकर आक्रोश है और उन्होंने प्रशासन से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कब तक कार्रवाई करता है और जिम्मेदार लोगों पर क्या कदम उठाए जाते हैं।

# डिंडोरी ने मनरेगा में रचा कीर्तिमान, जबलपुर संभाग में पहला स्थान

### रोजगार सृजन में अव्वल जिला लेकिन रोजगार सहायकों को महीनों से वेतन नहीं

**डिंडोरी** - महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के प्रभावी क्रियान्वयन में डिंडोरी जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए जबलपुर संभाग में पहला स्थान प्राप्त किया है। वर्ष 2025–26 के आंकड़ों के अनुसार जिले का प्रदर्शन रोजगार सृजन और मजदूरी भुगतान दोनों ही मामलों में सबसे बेहतर रहा है।जारी रिपोर्ट के मुताबिक डिंडोरी जिले को 86,24,691 मानव दिवस का लक्ष्य दिया गया था, जिसके विरुद्ध 77,44,444 मानव दिवस का कार्य पूर्ण किया गया। जिले में कुल 1,95,224 सक्रिय जॉब कार्ड हैं और प्रति जॉब कार्ड 39.67 मानव दिवस का औसत रोजगार सृजित हुआ है, जो पूरे संभाग में सर्वाधिक है।अन्य जिलों की तुलना करें तो मंडला में 34.37, सिवनी में 32.55, छिंदवाड़ा में 30.84, बालाघाट में 25.65, कटनी में 25.37, जबलपुर में 23.65 और नरसिंहपुर में 23.60 मानव दिवस प्रति जॉब कार्ड का औसत दर्ज किया गया है।हालांकि इस उपलब्धि के पीछे पंचायत स्तर पर कार्यरत रोजगार सहायकों और संबंधित कर्मचारियों की अहम भूमिका मानी जा रही है। जमीनी स्तर पर योजनाओं के संचालन, मजदूरों को काम उपलब्ध कराने और रिकॉर्ड संधारण में इनका विशेष योगदान रहता है।लेकिन विडंबना यह है कि इन कर्मचारियों को पिछले

कई महीनों से वेतन नहीं मिल पाया है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रोजगार सहायकों ने शासन से मांग की है कि उनके लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान कराया जाए, ताकि वे और बेहतर तरीके से अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।मनरेगा योजना के तहत ग्रामीण मजदूरों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे पलायन पर रोक लगी है। जिन श्रमिकों के पास जॉब कार्ड है, वे पंचायत के माध्यम से काम प्राप्त करने के पात्र हैं।जिले का यह उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रशासन, पंचायतों और जमीनी कर्मचारियों के समन्वय का परिणाम माना जा रहा है, वहीं कर्मचारियों के वेतन भुगतान की समस्या अब एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर सामने आ रही है।

# मेहंदवानी महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

**शहपुरा** - राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह शासकीय महाविद्यालय मेहंदवानी में वार्षिक उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम प्राचार्य डॉक्टर लेखराम कुर्मी के मार्गदर्शन एवं पिंकी श्रीवास्तव के संयोजन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, निवर्तमान जनभागीदारी समिति अध्यक्ष बैजनाथ साहू एवं जिला महामंत्री बद्री प्रसाद साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। महाविद्यालय परिवार की ओर से सुंदरवती द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों ने एकल नृत्य, गायन, सामूहिक नृत्य, करमा, राजस्थानी नृत्य, स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। साथ ही नशा मुक्ति अभियान पर आधारित नाटक ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इन प्रस्तुतियों में रुचिका वर्मा, संध्या सिंह एवं सुंदरबती यह्के का विशेष मार्गदर्शन रहा। मुख्य अतिथि ओमप्रकाश धुर्वे ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को अच्छे नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। वहीं प्राचार्य डॉक्टर लेखराम कुर्मी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय की

वर्षभर की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें खेल गतिविधियों, राष्ट्रीय सेवा योजना, युवा उत्सव, भारतीय ज्ञान परंपरा, इको क्लब, स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, वेबीनार एवं सेमिनार जैसी गतिविधियों का उल्लेख किया गया।

कार्यक्रम का संचालन संध्या सिंह द्वारा किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान किए गए। कार्यक्रम की मंच सज्जा एवं अतिथि स्वागत में नितिनका रघुवंशी, रश्मि वर्मा एवं अमृता सूर्यवंशी सहित समस्त स्टाफ का सहयोग रहा। अंत में संयोजक पिंकी श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# एकीकृत माध्यमिक विद्यालय ग्राम टिकरिया में विद्यालय में मनाया गया प्रवेश उत्सव कार्यक्रम

डिंडोरी

।जिला की शाहपुरा विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम टिकरिया के एकीकृत माध्यमिक विद्यालय में आज प्रवेश उत्सव कार्यक्रम रखा गया जिसमें मुख्य अतिथि जनपद उपाध्यक्ष जितेंद्र चंदेल सरपंच गोपाल तेकाम, उपसरपंच संदीप गौलिया, शिक्षक अनिल रजक, संतोष कछवाहा, रमेश मरावी, गिरिजा झारिया, आशा उलाडी, एवं शिक्षक मिथलेश साहू सहित छात्राएं उपस्थित रहे।

# करौंदी में गूंजा जय मां महाकाली चैत्र नवरात्रि पर उमड़ा भक्ति का सैलाब

**शहपुरा।** चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर तहसील शहपुरा के ग्राम करौंदी में मां महाकाली का भव्य पूजन उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ वर्षों पुरानी परंपरा को निभाते हुए पूरा गांव भक्ति में डूबा नजर आया और चारों ओर जय मां महाकाली के जयकारे गूंजते रहे। उत्सव के दौरान माता रानी का विधि विधान से पूजन किया गया जो पंडित महेंद्र दुबे के सानिध्य में संपन्न हुआ आयोजन में पंडा रामेश्वर बनवासी के मार्गदर्शन में ग्राम के युवाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाया। आयोजन की जिम्मेदारी संभालते हुए दिव्यांशु दुबे शिब्बू ईश्वर साहू मंजा अजय पिंकु डब्बू बनवासी हरीश दुबे और श्रीयांश दुबे सहित अन्य युवाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उनकी मेहनत और समर्पण से कार्यक्रम भव्य रूप में आयोजित हुआ इस अवसर पर मां महाकाली का ग्राम भ्रमण विशेष आकर्षण का केंद्र रहा ढोल नगाड़ों की गूंज के बीच माता रानी की झांकी पूरे गांव में निकाली गई जहां ग्रामीणों ने श्रद्धा के साथ दर्शन किए ग्राम भ्रमण के बाद आयोजित महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया आयोजन के अंत में ग्रामवासियों ने मां महाकाली से क्षेत्र की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की और सभी के जीवन में सकारात्मकता बनी रहने की प्रार्थना की।

# 100 दिवसीय टीबी स्क्रीनिंग अभियान के अंतर्गत ग्राम सिमरिया में एक्स-रे कैंप आयोजित

**डिंडोरी।** जिले को टीबी मुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 100 दिवसीय टीबी स्क्रीनिंग अभियान के अंतर्गत विकासखंड डिंडोरी ब्लॉक के ग्राम सिमरिया में एक्स-रे स्क्रीनिंग कैंप का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पाण्डेय और जिला क्षय अधिकारी डॉ. मनोज उरैती के निर्देशन में किया गया।कैंप में ग्रामीणों की एक्स-रे के माध्यम से टीबी स्क्रीनिंग की गई ताकि संभावित मरीजों की समय पर पहचान हो और उन्हें शीघ्र जांच एवं उपचार से जोड़ा जा सके। साथ ही ग्रामीणों को टीबी के लक्षण बचाव जांच और उपचार के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई तथा उन्हें जागरूक किया गया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने कैंप का दौरा कर उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी का समय पर जांच और नियमित उपचार से पूर्ण इलाज संभव है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि लगातार खांसी बुखार वजन कम होना या कमजोरी जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराएं और शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई निःशुल्क

सुविधाओं का लाभ उठाएं।स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संभावित मरीजों को आगे की जांच जैसे बलगम परीक्षण और अन्य आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया।ग्राम सिमरिया में आयोजित यह एक्स-रे कैंप टीबी मुक्त डिंडोरी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वास्थ्य विभाग भविष्य में भी ऐसे कैंपों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में टीबी की सक्रिय खोज जनजागरूकता और उपचार सुनिश्चित करता रहेगा।

# आईटीआई कॉलेज डिंडोरी में फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

**डिंडौरी।** आईटीआई कॉलेज डिंडोरी में आयोजित फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर द्वारा कुल 29 फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को फील्ड में कार्य करने की प्रक्रिया, डेटा संकलन, तकनीकी पहलुओं एवं कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया, जिससे वे अपने दायित्वों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर सकें।समापन अवसर पर जयदीप नंदनवार, अपर कलेक्टर जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक तथा शाखा प्रभारी रूपेंद्र पांडे उपस्थित रहे। अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त फील्ड ट्रेनर्स को शुभकामनाएं देते हुए उनसे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का प्रभावी उपयोग करने का आह्वान किया।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी कार्यों की बेहतर तैयारी और सफल क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

# डिंडोरी में राजस्व समीक्षा बैठक आयोजित, उत्कृष्ट कार्य पर 31 पटवारियों का सम्मान

**डिंडोरी।** शनिवार को कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने की। इस दौरान डिंडोरी शहपुरा और बजाग तहसील के 31 पटवारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।बैठक में अपर कलेक्टर जे पी यादव एसडीएम डिंडोरी राम बाबू देवांगन एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा एसडीएम बजाग अक्षय डिगरसे और डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।समीक्षा के दौरान आरसीएमएस नामांतरण बटवारा सीमांकन अभिलेख सुधार राजस्व वसूली फार्मर रजिस्ट्री आरओआर ई केवाईसी पीएम किसान ई केवाईसी वनग्राम से राजस्व ग्राम में रूपांतरण नगरीय भू अधिकार शासकीय भूमि आवंटन लंबित प्रकरण अतिक्रमण हटाने सीएम हेल्पलाइन पीएम फसल बीमा लघु सिंचाई संगणना जनगणना 2027 साइबर तहसील भू अर्जन और मुआवजा वितरण जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक ने बताया कि जिले ने

राजस्व कार्यों में बेहतर प्रदर्शन किया है। नामांतरण में छठा स्थान बटवारा में आठवां स्थान सीएम हेल्पलाइन में तीसरा स्थान और राजस्व संग्रहण में बारहवां स्थान प्राप्त हुआ है। चार करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध दो करोड़ बहत्तर लाख रुपये की वसूली कर 65 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया गया है। जिले को प्रदेश में शीर्ष श्रेणी में स्थान मिला है।कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ करें। पंचायत भवनों में ग्रामीणों के साथ बैठक कर समस्याओं का समाधान किया जाए और गांवों में जल समस्या के निराकरण में सक्रिय भूमिका निभाई जाए।उन्होंने स्कूल आंगनबाड़ी और पंचायत भवनों में जल संरक्षण के लिए वाटर हार्वेस्टिंग कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। कलेक्टर ने कहा कि इच्छाशक्ति और लगन से बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं बैठक में राजस्व कार्यों को और अधिक प्रभावी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

### हाथियों का आतंक नहीं हो रहा खत्म

# मरवाही में महुआ बीन रहे वृद्ध को रौंदा, हुई मौत

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।**

डिंडौरी मरवाही से अनूपपुर तक हाथियों की लगातार आवाजाही अब जानलेवा साबित हो रही है। मरवाही के डडिंया जंगल में महुआ बीनने गए एक वृद्ध की हाथी के हमले में मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दूसरी ओर अनूपपुर जिले में चार हाथियों का दल दो हिस्सों में बंटकर जंगलों में डेरा डाले हुए है और रात के समय किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। वन विभाग सतर्क है, लेकिन ग्रामीणों की लापरवाही खतरा बढ़ा रही है। छत्तीसगढ़ के मरवाही वन मंडल अंतर्गत डडिंया गांव से लगे जंगल में शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 55 वर्षीय त्रिलोचन सिंह महुआ बीनने जंगल पहुंचे थे। इसी दौरान एक अकेले दो दांत वाले नर हाथी ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। उधर, यही हाथी और उसके अन्य साथी मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में भी सक्रिय हैं। चार हाथियों का दल दो हिस्सों में बंटकर गेढीआमा और धनगवां के जंगलों में ठहरा हुआ है।

## खबर संक्षेप

### युवक ने जहरीली वस्तु का किया सेवन

**नरसिंहपुर।** गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली अंतर्गत शंकर वार्ड में युवक द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि शुभांशु साहू पिता संतोष साहू उम्र 25 वर्ष निवासी शंकर वार्ड द्वारा अज्ञात कारणों से घर पर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

### महिला ने खाई चूहामार

**नरसिंहपुर।** गत दिवस थाना क्षेठेमी अंतर्गत महिला द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमन सेन पति दौलत सेन उम्र 40 वर्ष निवासी बेलखेड़ी थाना ठेमी द्वारा अज्ञात कारणों से चूहामर का सेवन कर लिया गया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

### जहरीली वस्तु के सेवन से युवक की मौत

**नरसिंहपुर।** गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशनगंज निवासी युवक द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुदर्शन लोधी पिता जगदीश लोधी उम्र 25 वर्ष निवासी झिरी थाना स्टेशनगंज द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिससे उसकी मौत हो गई पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

### स्वामी प्रज्ञान भारती से प्राप्त की सन्यास दीक्षा

**नरसिंहपुर।** बरसों बाद एक बार फिर नगर में ओशो के प्रवचन गूंजे, स्थानीय होटल में स्वामी प्रज्ञान भारती की अगुवाई में प्रदेश भर से आए हुए ओशो प्रेमियों का मजमा लगा। ओशो रंग में रंगे ओशो प्रेमियों ने ओशो के प्रवचनों को सुना व 20 ओशो प्रेमियों द्वारा सन्यास दीक्षा प्राप्त की। कार्यक्रम के दूसरे चरण में स्वामी प्रज्ञान भारती द्वारा लिखित किताब की नदी शब्द की नाव का विमोचन साहित्य जगत के जाने-माने साहित्यकारों अजय तुलसी, अशोक त्रिपाठी, कमल नेमा, डॉक्टर सिंघई, सतीश तिवारी एवं आचार्य थम्मन शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई। डॉ निधि तिवारी द्वारा स्वागत भाषण में प्रज्ञान जी की यात्रा की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन मां प्रेम परितोष उर्फ नंदिता चौबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग जनार्दन गिरधोनिया एवं सुभाष चौरसिया का रहा। प्रदेश भर से आए हुए ओशो प्रेमियों एवं शहर के नागरिकों परिवार जनों के बीच आनंदमय वातावरण में समस्त कार्यक्रम उल्लास पूर्वक संपन्न हुए।

### जानलेवा डीजे, परिचर्चा आज

**नरसिंहपुर।** शहर में डीजे के शोर से होने वाले ध्वनि प्रदूषण और उससे जनस्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर खतरों को देखते हुए अब जागरूक नागरिकों ने मोर्चा संभाल लिया है। इसी सिलसिले में आज 5 अप्रैल शाम 5 बजे नरसिंह मंदिर प्रांगण में सामूहिक परिचर्चा का आयोजन किया जा रहा है। परिचर्चा का मुख्य उद्देश्य डीजे के अनियंत्रित शोर से बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों को होने वाली परेशानियों पर अंकुश लगाने के लिए ठोस नीति तैयार करना है। जागरूक नगरवासियों की ओर से जारी सूचना के अनुसार इस चर्चा में किसी एक पक्ष को नहीं, बल्कि समाज के हर तबके को जोड़ा गया है। परिचर्चा में ध्सभी धर्मों के प्रतिनिधि, ध्विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्य, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, नगर के गणमान्य एवं प्रबुद्ध नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। ताकि सर्वसम्मति से निर्णय लिया जा सके जो आने वाले समय में जनस्वास्थ्य के संरक्षण के लिए मील का पत्थर साबित हो। सोशल मीडिया के माध्यम से नगरवासियों को संदेश दिया गया है कि डीजे का मुद्दा अब केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह जानलेवा स्तर तक पहुँच चुका है। अभी नहीं तो कभी नहीं के नारे के साथ लोगों से अपील की गई है कि वे अपनी भूमिका निभाएं और शहर को इस जानलेवा शोर से मुक्ति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। परिचर्चा आज 5 अप्रैल समय शाम 5 बजे नरसिंह मंदिर प्रांगण, नरसिंहपुर में रखी गई है जिसमें स्वास्थ्य विशेषज्ञ शोर से होने वाले दुष्प्रभाव से आम जनों को अवगत कराएंगे। यह आयोजन शहर की शांति और स्वास्थ्य के प्रति आम नागरिक की सजगता का एक बड़ा उदाहरण बनकर उभर रहा है। अब देखना यह होगा कि इस परिचर्चा से प्रशासन और डीजे संचालकों के लिए क्या निष्कर्ष निकलकर सामने आता है। सभी से उपस्थित की अपील की गई है।

## खेत व खलिहानों में रखी फसलों पर नुकसान

# मौसम ने बदला मिजाज, तेज हवा के साथ हुई बारिश

बीते दिवस की शाम मौसम ने अपना मिजाज बदल दिया जिससे किसानों की चिंता सातवें आसमान पर पहुंच गई।

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।**

जिले भर मे कई स्थानों पर तेज आंधी चली जिससे फसलों पर कम नुकसान रहा लेकिन शनिवार को भोर होने के पूर्व से ढके घने बादलों ने अपना रंग दिया और तेज हवा के साथ बारिश हुई। बारिश से किसानों की पक कर तैयार हो चुकी फसलों पर काफी नुकसान देखा जा रहा है। वर्तमान किसानों की फसल कटाई का कार्य जोरों पर है तो कहीं फसल खलिहान मे रखी हुई है। बारिश से इन फसलों पर काफी नुकसान होने की संभावना है। वही सब्जी किसानों के लिये भी बारिश हानिकारक बताई गई।

### वारिश किसानों के लिये बरदान या नुकसान

वे मौसम बरस रहे मेघों से किसानो की चिंता बढ़ती हुई नजर आ रही है। शनिवार की सुबह तेज हवा के साथ हुई बारिश ने किसानों की फसलों पर बुरा प्रभाव डाल दिया। नरसिंहपुर जिला कृषि प्रधान जिला है लोगों की आस कृषि पर टिकी होती है। वारिश से किसानों की फसलों पर बुरा असर पड़ रहा है। वर्तमान मे किसानों की फसल पक कर तैयार है जिसमें किसानों की हानि होने की संभावना अधिक नजर आ रही है। अधिकांश किसानों की फसलें खेत व खलिहानों पर रखी हुई है। हालांकि उक्त बारिश से मूंग व गन्ने की फसल पर फायदा होगा।

### तेज हवा के साथ हुई बारिश

शनिवार की अलसुबह मेघों से बादल घिरे हुई थे किसानों द्वारा प्रार्थना की जा रही थी की बारिश ना हो लेकिन सूर्य उदय के पूर्व ही मेघों ने असर दिखा दिया और बारिश शुरू हो गई। तेज आंधी के साथ जिले मे कई स्थानों पर तेज बारिश की भी जानकारी प्राप्त हुई है। किसानों की खलिहानों पर रखी फसलों को ढक कर बचाने का कार्य तो कर लिया गया लेकिन खेतो पर रखी फसल खराब होने के आसार बढ़ गया। लोगो की आस है कि रविवार को बारिश ना हो तो किसानों को राहत मिल सकती है। वारिश होने से तापमान मे भी गिरावट देखी जा रही है। लेकिन उमस से सभी हलाकन है और लोग पंखे कूलर पर आश्रित है।

### सब्जी किसानों के लिये हानिकारक

सब्जी की खेती करने वाले किसानों के लिये बारिश पूरी तरह नुकसान दायक है लहसुन व प्याज मे पानी का बुरा प्रभाव देखने को मिलेगा वही बेगन, टमाटर आदि सब्जियां भी खराब होगी और बाजार मे सब्जी के दामों पर भी वृद्धि होगी, वही हरी सब्जियों पर कीट बढ़ने की संभावना तेज होगी। यदि आगे और बारिश होगी तो सब्जियों के दामो मे तेजी आ सकती है। सब्जी किसानों के लिये बारिश पूरी तरह हानिकारक सिद्ध हो रही है।

### इनका कहना है

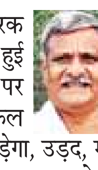

असमय वारिस हमेशा हानिकारक होती है जिन किसानों की खेत में कटी हुई तथा खलिहानों मे रखी फसलों पर अधिक नुकसान है तथा सब्जी व फल किसानों को भी नुकसान है। गेंहू का रंग फीका पड़ेगा, उड़द, मूंग पर भी सुकड़न वाला रोग लगेगा। आम की फसल खराब होगी। मवेशियों के लिए बनाया जा रहा भूसा भी खराब होगा।

**अश्विनी धौरेलिया, पूर्व मंडी अध्यक्ष**

वारिश से अधिक नुकसान नही है क्योकि ज्यादातर किसानों की फसलों की गहाई हो चुकी है जिस क्षेत्र मे वारिश अधिक हुई है और फसलों खेत व खलिहानों पर पड़ी हुई केवल उस पर ही नुकसान है। वही गन्ना व मूंग की फसल पर फायदा है। सब्जियों पर कीट लगने की संभावना बढ़ जाएगी।

**विवेक महाजन,**
**वरिष्ठ किसान**

## सरकार की योजनाओं का लाभ सभी हितग्राहियों तक पहुंचे: प्रभारी मंत्री

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** प्रदेश शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण और जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि हर समस्या का स्थानीय स्तर पर निराकरण करेंगे। अब कोई भी नागरिक को अपनी समस्याओं को लेकर दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। आपकी समस्याओं का निराकरण स्थानीय स्तर पर ही पूरा हो, इसके लिए शिविर लगाए जाएंगे और इन शिविरों में सभी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। शासन की योजनाओं का लाभ देना हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि स्थानीय स्तर पर लगने वाले शिविरों में जरूर आएं और अपनी समस्याओं का निराकरण कराएं। प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत शनिवार को पीजी कॉलेज नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम में आयोजित संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिला स्तरीय शिविर को संबोधित कर रहे थे। प्रभारी मंत्री श्री राजपूत ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर संकल्प से समाधान अभियान के तहत आयोजित शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान उपस्थित समस्त अतिथियों के द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का गायन हुआ। प्रभारी मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि भारत सरकार ने जरूरतमंद व्यक्तियों को आयुष्मान योजना का लाभ देकर उन्हें गंभीर बीमारियों में राहत प्रदान की है। सरकार समस्त योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है। हितग्राहियों को आगे आकर शासन की योजनाओं का लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी दें, जिससे वे इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन को सशक्त बना सकें। सरकार ने सड़क, बांध, बिजली, शिक्षा, नल-जल योजना जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की है। प्रदेश में लाड़ली बहना योजना का लाभ देकर महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। प्रदेश में किसानों के लिए सिंचाई के रकबे में बढ़ोत्तरी की गई है, इससे किसानों के फसलों का उत्पादन बढ़ा है। प्रभारी मंत्री श्री राजपूत ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार किसानों को किसान सम्मान निधि की राशि देकर प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि जिले में राजस्व संबंधी समस्याओं का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता से करें। उन्होंने इस दौरान पीजी कॉलेज परिसर में विभिन्न विभागों के द्वारा शासन की विकास योजनाओं एवं उपलब्धियों के संबंध में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविरों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया व उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, विधायक तेंदूखेड़ा विश्वनाथ सिंह पटेल व विधायक गोटेगांव महेन्द्र नागेश, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, रामसनेही पाठक, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी उदय सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, डिप्टी कलेक्टर सुश्री सानू चैधरी व श्रीमती देवंती परते, सीएमओ नगर पालिका नरसिंहपुर नीलम चैहान सहित अन्य जनप्रतिनिधि, हितग्राही और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

## एमडिल इनोवेशन एंड क्रिएटर लैब का शुभारंभ

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।**

गत दिवस स्थानीय गुरुकुल ज्ञान मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में एमडिल इनोवेशन एंड क्रिएटर लैब का शुभारंभ एवं कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम गजेंद्र सिंह सीईओं जिला पंचायत, डॉ. संदीप वर्मा हेड ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट सेज यूनिवर्सिटी इंदौर, इंजी. रुद्रेश तिवारी चेयरमैन, एमआईएमटी कॉलेज नरसिंहपुर, अभिनेता विवेक नीखरा, ड्रोन क्रिएटर मेधांश त्रिवेदी के आतिथ्य मे किया गया। अतिथियों ने फीता काटकर लैब का उद्घाटन किया तथा एआई, रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग, ड्रोन टेक्नोलॉजी, आईओटी, डेटा साइंस और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर स्पेस जैसी सुविधाओं का अवलोकन किया। अतिथियों द्वारा बताया गया कि विद्यार्थियों को नवाचार और तकनीकी शिक्षा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। वहीं सुनील पटेल, डेटा साइंटिस्ट ने लैब की अवधारणा, प्रशिक्षण कार्यक्रम और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। विद्यार्थियों द्वारा तैयार साइंस और टेक्नोलॉजी मॉडल्स का लाइव प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में बताया गया कि एम्डल इनोवेशन के माध्यम से जिले में इनोवेशन लैब, प्रतियोगिताएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम कंपनी के को-फाउंडर नेतराम पटेल के नेतृत्व में किया गया। उक्त अवसर पर बड़ी संख्या में स्कूलों के प्राचार्य एवं डायरेक्टर तथा अभिभावकों की उपस्थित रही।

## पुस्तक मेला बना दिखावा, अधूरी तैयारियों से नहीं मिला लाभ

**गोटेगांव।**

पुस्तक मेला बना दिखावा, अधूरी तैयारियों से नहीं मिला लाभमध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार गोटेगांव स्थित शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित एक दिवसीय पुस्तक मेला अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका। अधूरी तैयारियों और व्यवस्थाओं की कमी के चलते यह आयोजन अपने मूल उद्देश्य को पूरा करने में विफल रहा।मेले में सीमित संख्या में पुस्तक विक्रेताओं की उपस्थिति रही, वहीं सभी आवश्यक पाठ्य पुस्तकों का अभाव भी साफ नजर आया। इसके अलावा स्कूल स्टेशनरी सामग्री पर अपेक्षा के अनुरूप छूट न मिलने से विद्यार्थी एवं अभिभावक निराश दिखाई दिए।गौरतलब है कि इस तरह के पुस्तक मेलों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री सुलभ कराना एवं अभिभावकों को आर्थिक राहत प्रदान करना होता है, लेकिन यहां ऐसा संभव नहीं हो सका।अभिभावकों का कहना है कि अभी तक निजी स्कूलों का पाठ्यक्रम स्पष्ट नहीं हो पाया है, जिसके चलते उनकी मनमानी (मोनोपॉली) बनी हुई है और सभी आवश्यक पुस्तकें एक ही स्थान पर उपलब्ध नहीं हो सकीं।पुस्तक मेले में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सिद्धांत बागड़े, प्राचार्य संतोष कुमार सिसोदिया सहित सीमित संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।स्थानीय नागरिकों ने शिक्षा विभाग से मांग की है कि भविष्य में इस तरह के आयोजनों को सुव्यवस्थित तरीके से किया जाए तथा नियमानुसार एनसीईआरटी की पुस्तकों को ही विद्यालयों में अनिवार्य किया जाए, ताकि निजी स्कूलों की मनमानी पर अंकुश लग सके और अभिभावकों को राहत मिल सके

## खरीदी में देरी से किसान परेशान, मौसम ने बढ़ाई चिंता

**गोटेगांव।**

गेहूं उपार्जन को लेकर प्रशासनिक अनिश्चितता से क्षेत्र के किसान परेशान हैं। खरीदी के लिए अब तक 16 मार्च, 1 अप्रैल, 10 अप्रैल और 15 अप्रैल की तिथियां घोषित की गईं, लेकिन खरीदी शुरू होने को लेकर संशय बना हुआ है।क्षेत्र में 15 मार्च से ही गेहूं की कटाई प्रारंभ हो जाती है, लेकिन तुलाई में देरी के कारण किसानों को फसल की रखवाली व परिवहन में अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। बिगड़ते मौसम ने भी चिंता बढ़ा दी है।किसानों का कहना है कि सहकारी समितियों के ऋण चुकाने की अंतिम तिथि 28 मार्च होने के कारण वे समय पर भुगतान नहीं कर पाएंगे और डिफॉल्टर बन जाएंगे। भारतीय किसान संघ ने इस मुद्दे पर नाराजगी जताते हुए 6 अप्रैल को तहसीलों में ज्ञापन देने की घोषणा की है।संघ के प्रांत उपाध्यक्ष कृषिकर्मण नारायण सिंह पटेल ने मांग की है कि शासन शीघ्र और सुव्यवस्थित तौल व्यवस्था प्रारंभ कर समय पर भुगतान सुनिश्चित करे।

## मूलभूत सुविधाओं के अभाव में कॉलोनीवासी त्रस्त, प्रशासन मौन

**गोटेगांव।**

नगर में तेजी से विकसित हो रही कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाओं के अभाव से रहवासी परेशान हैं। कॉलोनाइजर प्लॉट बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं, लेकिन बिजली, सड़क और पानी जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा रहे।बिजली समस्याःकई कॉलोनियों में समुचित बिजली व्यवस्था नहीं है। लोगों को दूर से अस्थायी कनेक्शन लेना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। अंधेरे के कारण सुरक्षा का खतरा भी बना हुआ है।सड़क व जल निकासीःनालियों के अभाव में गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। सड़कें जर्जर हो चुकी हैं, जिससे आवागमन में कठिनाई हो रही है।स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि कॉलोनाइजरों पर सख्ती की जाए और नियमानुसार सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

## मंगल कलश यात्रा के साथ श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान विश्व शांति महायज्ञ प्रारंभ

**तेंदूखेड़ा।** इन दिनों संपूर्ण क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों का दौर जारी है।इसी सिलसिले में समीपी प्रतिष्ठित ग्राम डोभी में दस दिवसीय श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है। 4 अप्रेल से 13 अप्रेल तक चलने वाले इस महायज्ञ को लेकर शनिवार को दिगम्बर जैन मंदिर से ग्राम के मुख्य मार्गों से विशाल मंगल कलश यात्रा निकाली गई जिसका कार्यक्रम स्थल पर जाकर समापन हुआ। विधानाचार्य ब्रह्मचारी नरेश भैया के मंगल सानिध्य में सुबह श्री जी का अभिषेक शांतिधारा पूजन तथा शाम को सागर से आई संगीत पार्टी के द्वारा श्री जी की महाआरती एवं भैया जी के प्रवचन होंगे। दिगम्बर जैन समाज के नन्हें मुन्ने बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। प्रतिदिन इंद्र इंद्राणियों एवं समस्त जैन समाज द्वारा श्री की आराधना पूजन की जायेगी। इस वृहद आयोजन में सकल दिगम्बर जैन समाज डोभी के साथ सर्व समाज उपस्थित हो कर धर्म लाभ ले रहे है।

## पं नीरज तिवारी अध्यक्ष और सौरभ पाण्डेय मीडिया प्रभारी बनें

**तेंदूखेड़ा**

विगत दिवस तेंदूखेड़ा के पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में संपन्न हुई सर्व ब्राह्मण महासभा की बैठक में नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी पं नीरज तिवारी को सर्व ब्राह्मण महासभा का नगर अध्यक्ष तथा सौरभ पाण्डेय को मीडिया प्रभारी बनाया गया है।साथ ही परशुराम सेना का पं सुजीत दुबे को अध्यक्ष बनाया गया है। इसके पूर्व गठित हुई तहसील ईकाई में पं मुकेश बाजपेई को तहसील अध्यक्ष बनाया गया है। कोषाध्यक्ष दिनेश कटारे मीडिया प्रभारी सत्येंद्र अवस्थी को बनाया गया है। संरक्षक मण्डल में संजय शर्मा अभिलाष मिश्रा बिलहेरा पं. विष्णु शर्मा रामसहाय चौबे सत्यनारायण चौबे नगर पुरोहित पं विष्णुदत्त त्रिपाठी कमलेश पुजारी शिवकुमार दुबे ओमप्रकाश शस्त्री विजय शर्मा करोंदी पी डी शुक्ला कृष्णकुमार पाठक देवशरण सुरवारिया सुरेश पाठक लोकेश बसेड़िया हरिओम तिवारी वसंत मढ़ी पाण्डेय मथुरा प्रसाद मिश्रा महेन्द्र तिवारी संयोजक मंडल शिवकुमार बसेड़िया तहसील अध्यक्ष मुकेश पुजारी उपाध्यक्ष विनोद पाठक गोलू स्थापक पंकज पाठक कमलेश शर्मा उमाकांत तिवारी कुलदीप दुबे कोषाध्यक्ष दिनेश कटारे सहकोषाध्यक्ष दीपक शर्मा सचिव मनोज दुबे सहसचिव संजय शर्मा प्रवक्ता परषोत्तम बसेडिया राहुल पाठक महामंत्री सौरभ पाठक विधि सलाहकार सजल शर्मा संगठन मंत्री मनीष चौबे अरविंद वारोलिया हरीश दुबे रामशरण तिवारी श्रीकांत पुरोहित शरद तिवारी विकास पचोरी सिद्दार्थ गौतम संचित वारोलिया मोनू पुजारी मीडिया प्रभारी सतेन्द्र अवस्थी सौरभ पाण्डेय आलोक पाण्डेय को बनाया गया है।

### परशुराम जयंती को भव्यता से मनाया जायेगा

उपस्थित ब्राह्मण महासभा के सभी सदस्यों ने अक्षय तृतीया पर आराध्य भगवान परशुराम जी की जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाये जाने को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। तथा कार्यों का विभाजन किया गया। शोभायात्रा के साथ एक मंचीय कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई।